खंड – 'अ' : वस्तुपरक-प्रश्न

अपठित गद्यांश

[10 अंक]

1. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5 = 5)

गद्यांश-1

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

वर्तमान समाज में नैतिक मूल्यों का विघटन चारों ओर दिखाई दे रहा है। विलास और भौतिकता के मद में संभ्रांत लोग धनोपार्जन की अंधी दौड़ में शामिल हो गए हैं। आज का मानव स्वार्थपरता में इस तरह आकंठ डूब चुका है कि उसे उचित-अनुचित, नीति-अनीति का आभास नहीं हो रहा है। व्यक्ति विशेष की निज स्वार्थ पूर्ति से समाज का कितना अहित हो रहा है इसका शायद किसी को आभास नहीं है। आज के अभिभावक भी धनोपार्जन एवं भौतिकता के साधन जुटाने में इतने लीन है कि उनके वात्सल्य का स्रोत ही उनके लाडलों के लिए सूख गया है। उनकी इस उदासीनता ने मासूम दिलों को गहरे तक चीर दिया है। आज का बालक अपने एकाकीपन की भरपाई या तो घर में दूरदर्शन से प्रसारित अश्लील फूहड़ कार्यक्रमों से करता है अथवा कुसंगति में पड़कर जीवन का नाश करता है। समाज के इस संक्रांति काल में छात्र किन जीवन-मूल्यों को सीख पाएगा यह कहना नितांत कठिन है। जब-जब समाज पथभ्रष्ट हुआ है तब-तब युग सर्जक की भूमिका का निर्वाह शिक्षकों ने बखूबी किया है। आज की दशा में भी जीवन-मूल्यों की रक्षा का दायित्व शिक्षक पर ही आ जाता है। वर्तमान स्थिति में जीवन मूल्यों के संस्थापन का भार शिक्षकों पर पहले की अपेक्षा अधिक हो गया है क्योंकि आज का परिवार बालक के लिए सद्गुणों की पाठशाला जैसी संस्था नहीं रह गया है जहाँ से बालक एक संतुलित व्यक्तित्व की शिक्षा पा सके। शिक्षक, विद्यालय परिसर में छात्र के लिए आदर्श होता है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए–

(क) नैतिक समाज में क्या दिखाई दे रहा है?

(*i*) नैतिक मूल्य (*ii*) मूल्यों का विघटन (*iii*) नैतिकता (*iv*) आपसी प्रेम

उत्तर: (*ii*) मूल्यों का विघटन

(ख) लोग किस दौड़ में शामिल हो गए हैं?

(*i*) धनोपार्जन की (*ii*) भौतिकता की (*iii*) विलासिता की (*iv*) प्रतियोगिता की

उत्तर: (*i*) धनोपार्जन की

(ग) स्वार्थ पूर्ति से क्या हो रहा है?

(*i*) समाज का हित (*ii*) समाज का अहित

(*iii*) नीति अनीति (*iv*) समाज का कल्याण

उत्तर: (*ii*) समाज का अहित

(घ) संक्रमित काल क्या होता है?

(*i*) संक्रमण काल (*ii*) परिवर्तन का दौर
(*iii*) कठिन पार्क अकाल (*iv*) एक त्योहार

उत्तर: (*ii*) परिवर्तन का दौर

(ङ) जीवन-मूल्यों की संस्थापना का भार किस पर आ गया है?

(*i*) शिक्षकों पर (*ii*) समाज पर (*iii*) हम पर (*iv*) नेताओं पर

उत्तर: (*i*) शिक्षकों पर

अथवा

गद्यांश-2

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-2 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

संस्कृत में एक कहावत है कि दुर्जन दूसरों के राई के समान मामूली दोषों को पहाड़ के समान बड़ा बनाकर देखता है और अपने पहाड़ के समान बड़े पापों को देखते हुए भी नहीं देखता। सज्जन या महात्मा ठीक इससे विपरीत होते हैं। उनका ध्यान दूसरों की बजाए केवल अपने दोषों पर जाता है। अधिकांश व्यक्तियों में कोई न कोई बुराई अवश्य होती है। कोई भी बुराई न होने पर व्यक्ति देवता की कोटि में आ जाता है। मनुष्य को अपनी बुराइयों को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए, न कि दूसरों की कमियों को लेकर छींटाकशी करने या टीका-टिप्पणी करने का। अपने मन की परख को पवित्र करने का सबसे उत्तम साधन है-आत्मनिरीक्षण। यह आत्मा की उन्नति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग है। महात्मा कबीर ने कहा है कि जब मैंने मन की पड़ताल की, तो मुझे अपने जैसा कोई बुरा न मिला। महात्मा गाँधी ने कई बार स्पष्ट रूप से कहा था-"मैंने जीवन में हिमालय जैसी बड़ी भूलें की हैं। अपनी भूलों पर ध्यान देना या उन्हें स्वीकार करना आत्मबल का चिह्न है। जो लोग दूसरों के सामने अपनी भूल नहीं मानते और न ही अपने को दोषी स्वीकार करते हैं, वे सबसे बड़े कायर हैं। जिसका अंत:करण शीशे के समान उजला है, उसे झट अपनी भूल महसूस हो जाती है। मन तो दर्पण है। मन में पाप है, तो पाप दिखाई देता है। पवित्र आचरण वाले अपने मन को देखते हैं, तो उन्हें लगता है कि अभी इसमें कोई कमी रह गई है, इसलिए वे अपने मन को बुरा कहते हैं। यही उनकी नम्रता की साधना है।

(क) दूसरों के राई के समान दोषों को पहाड़ के समान कौन देखता है?

(*i*) सज्जन (*ii*) महात्मा (*iii*) दुर्जन (*iv*) देवता

उत्तर: (*iii*) दुर्जन

(ख) महात्माओं का ध्यान किसके दोषों की तरफ़ जाता है?

(*i*) सभी लोगों के (*ii*) सारे संसार के (*iii*) केवल अपने (*iv*) केवल दूसरों के

उत्तर: (*iii*) केवल अपने

(ग) लेखक के अनुसार, अपने मन की परख को पवित्र किया जा सकता है–

(*i*) आत्मसम्मान द्वारा (*ii*) आत्मबल द्वारा
(*iii*) आत्मविस्मृति द्वारा (*iv*) आत्मनिरीक्षण द्वारा

उत्तर: (*iv*) आत्मनिरीक्षण द्वारा

(घ) जिन्हें अपनी भूल तुरंत महसूस हो जाती है, उनका अंत:करण होता है–

(*i*) पत्थर के समान (*ii*) शीशे के समान
(*iii*) हिमालय के समान (*iv*) देवताओं के समान

उत्तर: (*ii*) शीशे के समान

(ङ) गद्यांश में 'आत्मबल का चिह्न' किसे कहा गया है?

(*i*) अपनी भूलों पर ध्यान देने वालों को (*ii*) अपनी भूलों को स्वीकार करने वाले को
(*iii*) अपनी भूल नहीं मानने वाले को (*iv*) (*i*) और (*ii*) दोनों

उत्तर: (*iv*) (*i*) और (*ii*) दोनों

2. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए। **(1×5 = 5)**

गद्यांश-1

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए गद्यांश-1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

कई लोगों को ज़रूरत ना होने पर भी चीज़ों को खरीदने और इकट्ठा करने की आदत होती है। यह आदत टीवी, अखबार आदि के विज्ञापनों से बहुत प्रभावित होती है। समाज में बड़े पैमाने में मौजूद इस स्थिति को उपभोक्तावाद कहते हैं। उपभोक्तावाद के विस्फोटक पर अब सवाल उठने लगे हैं क्योंकि इसने पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। उपभोक्तावाद अति उपयोग, बेहिसाब कचरा, उत्पादन और प्रदूषण का दानव तेल संसाधनों की नींव पर खड़ा है। इन जीवाश्म ईंधनों ने बेहिसाब मात्रा में प्रदूषण पैदा किया है जो जीवन के विविध रूपों के लिए बेहद विनाशकारी है। इसके लिए नई सदी में पश्चिमी विकसित जगत अपने भविष्य के लिए पर्यावरण की दृष्टि से भरोसेमंद और टिकाऊ विकल्प खोज रहा है। साइकिल रिक्शा एक ऐसा ही विकल्प है। यह पूरे एशिया और विशेषकर भारतीय उपमहाद्वीप में परिवहन का एक लोकप्रिय साधन है। भारत में साइकिल रिक्शा का आगमन पिछली सदी यानी बीसवीं सदी के पाँचवें दशक के शुरुआती दौर में हुआ। इससे पहले लकड़ी के पहिए वाले और श्रमसाध्य हाथ से खींचने वाले रिक्शा चलते थे।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए–

(क) बिना ज़रूरत चीज़ों को खरीदने एवं इकट्ठा करने की आदत का कारण है–

(*i*) आवश्यकता (*ii*) टीवी, अखबार आदि में विज्ञापन
(*iii*) घर में सामान की कमी (*iv*) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (*ii*) टीवी, अखबार आदि में विज्ञापन

(ख) उपभोक्तावाद कहते हैं–

(*i*) विज्ञापनों से प्रभावित होकर बिना ज़रूरत सामान खरीदने को
(*ii*) प्रदूषण फैलाने को
(*iii*) संसाधनों की बर्बादी को (*iv*) टीवी एवं अखबार को

उत्तर: (*ii*) विज्ञापनों से प्रभावित होकर बिना जरूरत सामान खरीदने को

(ग) बेहिसाब मात्रा में प्रदूषण पैदा किया है–

(*i*) कचरा उत्पादन ने (*ii*) साइकिल रिक्शा ने (*iii*) जीवाश्म ईंधनों ने (*iv*) उपरोक्त सभी

उत्तर: (*iii*) जीवाश्म ईंधनों ने

(घ) भारतीय उपमहाद्वीप में परिवहन का लोकप्रिय साधन है–

(*i*) जीवाश्म ईंधन (*ii*) साइकिल रिक्शा (*iii*) मोटर गाड़ी (*iv*) बैलगाड़ी

उत्तर: (*ii*) साइकिल रिक्शा

(ङ) पश्चिमी जगत विकासशील देशों की तरफ़ मुड़ रहा है–

(*i*) प्रदूषण के कारण (*ii*) तेल संसाधनों के कारण
(*iii*) हिंसा, टीवी एवं अखबार के कारण
(*iv*) पर्यावरण की दृष्टि से भरोसेमंद और टिकाऊ विकल्पों के कारण

उत्तर: (*iv*) पर्यावरण की दृष्टि से भरोसेमंद और टिकाऊ विकल्पों के कारण

अथवा

गद्यांश-2

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए गद्यांश-2 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

आधुनिक शिक्षा का नतीजा हमने देख लिया। हमने उस शिक्षा का नतीजा भी देख लिया, जिसमें विकसित विज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है, जिसके कारण व्यक्ति को कहीं भी या कितना भी मिलने के बावजूद तृप्ति नहीं होती। इसका कारण यही है कि शिक्षा के स्वाभाविक और आवश्यक अंगों को छोड़कर हमने ऐसे विषय पर अधिक ध्यान दिया, जो

मनुष्य का एकतरफ़ा विकास करते हैं, जिनके कारण व्यक्ति का बड़े से बड़ा भाग अतृप्त रह जाता है। बाल्यावस्था में ही कला-शिक्षा को अभी तक उचित स्थान नहीं मिला है। जहाँ मिलता भी है वहाँ बच्चा ग्यारह-बारह वर्ष का होते हैं उसके शिक्षा क्रम में से कला-प्रवृत्तियों को निकाल दिया जाता है। ऐसा ही हरबर्ट रीड ने कहा है- 'हमारा अनुभव हमें बताता है कि हर व्यक्ति ग्यारह साल की उम्र के बाद किशोर-अवस्था और उसके बाद भी सारे जीवनकाल तक किसी न किसी कला प्रवृत्ति को अपने भाव प्रकटन का जरिया बनाए रख सकता है। आज के सभी विषय जिन पर हम अपनी एकमात्र श्रद्धा करते हैं, जैसे-गणित, भूगोल, इतिहास, रसायन शास्त्र और यहां तक कि साहित्य भी-जिस तरह पढ़ाऐ जाते हैं उन सबकी बुनियाद तार्किक है। इन पर एकमात्र जोर देने के कारण कला- प्रवृत्तियाँ, जो भावना प्रधान होती हैं, पाठ्यक्रम से करीब-करीब निकल जाती हैं। यह प्रवृत्तियाँ केवल पाठ्यक्रम से ही नहीं निकल जातीं, बल्कि इन तार्किक विषयों को महत्व देने के कारण व्यक्ति के दिमाग से भी बिल्कुल निकल जाती हैं। किशोरावस्था को इस तरह गलत रास्ते पर ले जाने का नतीजा भयानक हो रहा है। सभ्यता रोज़-बे-रोज़ बेढब होती जा रही है। व्यक्ति का गलत विकास हो रहा है। उसका मानस अस्वस्थ है, परिवार दुखी है। समाज में फूट पड़ी है और दुनिया पर ध्वंस करने का ज्वर चढ़ा है। इन भयानक अवस्थाओं को हमारा ज्ञान-विज्ञान सहारा दे रहा है। आज की तालीम भी इसी दौड़ में साथ दे रही है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए–

(क) अनुच्छेद के आधार पर हमें किस पर सर्वाधिक ध्यान देने की ज़रूरत है?

(*i*) विज्ञान पर (*ii*) कला प्रवृत्ति पर (*iii*) किशोरावस्था पर (*iv*) बाल्यावस्था पर

उत्तर: (*iii*) किशोरावस्था पर

(ख) अनुच्छेद के अनुसार गणित, भूगोल, इतिहास आदि विषय हैं–

(*i*) तर्क प्रधान (*ii*) भाव प्रधान (*iii*) कला प्रधान (*iv*) बोध प्रधान

उत्तर: (*i*) तर्कप्रधान

(ग) ज्ञान-विज्ञान को बहुत अधिक महत्व देने के कारण–

(*i*) समाज उन्नति कर रहा है। (*ii*) समाज में विभाजन हो रहा है।

(*iii*) व्यक्ति सृजन की राह पर है। (*iv*) व्यक्ति विध्वंस की राह पर नहीं है।

उत्तर: (*ii*) समाज में विभाजन हो रहा है।

(घ) किशोरावस्था तार्किकता की प्रधानता और भाव के अभाव में ..... का रास्ता अपना रही है।

(*i*) पतन (*ii*) ज्ञान (*iii*) प्रगति (*iv*) कर्म

उत्तर: (*i*) पतन

(ङ) इनमें से कौन-सा शब्द समूह से भिन्न है?

(*i*) तार्किक (*ii*) स्वाभाविक (*iii*) साहित्यिक (*iv*) अभिव्यक्ति

उत्तर: (*i*) अभिव्यक्ति

व्यावहारिक व्याकरण

(16

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए– (1×4=4

(क) मोहन बहुत ताकतवर है। 'ताकतवर' कौन-सा पद है?

(*i*) विशेषण (*ii*) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

(*iii*) क्रिया (*iv*) सर्वनाम

उत्तर: (*i*) विशेषण

(ख) निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वनाम पदबंध है?

(*i*) बच्चे गाना सुनते-सुनते (*ii*) ऊँचा बोलने वाले उस

(*iii*) चले जा रहे थे (*iv*) मेरे आगरा वाले मित्र

उत्तर: (*ii*) ऊँचा बोलने वाले उस

(ग) वह मैदान में खेल रहा होगा। रेखांकित पदबंध का भेद है–

(*i*) संज्ञा पदबंध (*ii*) क्रियाविशेषण पदबंध

(*iii*) क्रिया पदबंध (*iv*) विशेषण पदबंध

उत्तर: (*iii*) क्रिया पदबंध

(घ) खुशामद करने वाला व्यक्ति केवल अपने बारे में सोचता है। रेखांकित पदबंध का भेद है–

(*i*) संज्ञा पदबंध (*ii*) सर्वनाम पदबंध

(*iii*) क्रिया पदबंध (*iv*) विशेषण पदबंध

उत्तर: (*i*) संज्ञा पदबंध

(ङ) तेज़ दौड़ते-दौड़ते रोहन मेला देखने गया। रेखांकित पदबंध है–

(*i*) संज्ञा पदबंध (*ii*) क्रियाविशेषण पदबंध

(*iii*) क्रिया पदबंध (*iv*) विशेषण पदबंध

उत्तर: (*ii*) क्रियाविशेषण पदबंध

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए– **(1×4=4)**

(क) लोग टोलियाँ बनाकर मैदान में घूमने लगे– वाक्य रचना की दृष्टि से है–

(*i*) संकेतवाचक (*ii*) सरल वाक्य (*iii*) मिश्रित वाक्य (*iv*) संयुक्त वाक्य

उत्तर: (*ii*) सरल वाक्य

(ख) निम्नलिखित में मिश्रित वाक्य है–

(*i*) तुम्हारे कहने पर सब मान गए।

(*ii*) जो किताब तुमने खरीदी है वो मेरे पास पहले से ही है।

(*iii*) रात हुई और सब पक्षी अपने घोंसले में चले गए। (*iv*) मैंने ताजमहल और लालकिला देखा है।

उत्तर: (*ii*) जो किताब तुमने खरीदी है वो मेरे पास पहले से ही है।

(ग) वह आलसी था इसलिए विफल हुआ। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–

(*i*) संयुक्त वाक्य (*ii*) मिश्रित वाक्य (*iii*) सरल वाक्य (*iv*) निषेधात्मक वाक्य

उत्तर: (*i*) संयुक्त वाक्य

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है–

(*i*) धन खर्च करके मौज करो।

(*ii*) मैं पुस्तकालय गया और पुस्तकें लेकर आ गया।

(*iii*) अध्यापक के आते ही सब शांत हो गए।

(*iv*) जैसे ही बम फटा वैसे ही अफरा-तफरी मच गई।

उत्तर: (*ii*) मैं पुस्तकालय गया और पुस्तकें लेकर आ गया।

(ङ) जिस वाक्य में एक प्रधान वाक्य हो तथा अन्य गौण हो, वह है–

(*i*) संयुक्त वाक्य (*ii*) मिश्रित वाक्य (*iii*) सरल वाक्य (*iv*) निषेधात्मक वाक्य

उत्तर: (*ii*) मिश्रित वाक्य

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए– **(1×4=4)**

(क) शोकाकुल समस्त पद का विग्रह है–

(*i*) शोक का कुल (*ii*) शोक से आकुल

(*iii*) शोक में आकुल (*iv*) शोक के लिए आकुल

उत्तर: (*ii*) शोक से आकुल

(ख) लाभ-हानि समस्तपद का समास भेद है–

(*i*) बहुव्रीहि समास (*ii*) द्विगु समास (*iii*) अव्ययीभाव समास (*iv*) द्वंद्व समास

उत्तर: (*i*) द्वंद्व समास

(ग) 'यथासमय' समस्त पद का विग्रह होगा–

(i) यथा के लिए समय (ii) यथा के समान समय

(iii) समय के अनुसार (iv) यथा के अनुसार

उत्तर: (iii) समय के अनुसार

(घ) 'महात्मा' शब्द में कौन-सा समास है–

(i) द्वंद्व समास (ii) द्विगु समास (iii) कर्मधारय समास (iv) बहुव्रीहि समास

उत्तर: (iii) कर्मधारय समास

(ङ) तत्पुरुष समास का उदाहरण है–

(i) तिरंगा (ii) रातोंरात (iii) रणवीर (iv) मृगलोचन

उत्तर: (iii) रणवीर

(1×4=4)

6. निम्नलिखित चारों भागों के उत्तर दीजिए–

(क) "पढ़-लिखकर वह अपने ..... हो सकता है।" सटीक मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(i) आँखों से देखना (ii) आग बबूला होना

(iii) पैरों पर खड़ा होना (iv) आँखें लाल होना

उत्तर: (iv) पैरों पर खड़ा होना

(ख) मैं तुम्हारे भाई का घनिष्ठ मित्र हूँ, कोई ..... नहीं। सही मुहावरे से रिक्त स्थान भरिए।

(i) दुश्मन न होना (ii) ऐरा गैरा नत्थू खैरा

(iii) मान न मान मैं तेरा मेहमान (iv) आँखें लाल होना

उत्तर: (ii) ऐरा गैरा नत्थू खैरा

(ग) 'हाथ न आना' मुहावरे का अर्थ है–

(i) बहुत बड़ा होना (ii) बहुत ऊँचा होना (iii) पकड़ में न आना (iv) हाथों की कसरत

उत्तर: (iii) पकड़ में न आना

(घ) 'मैंने यह कार अपनी ..... से लिया है' रिक्त स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए।

(i) मेहनत के खेत (ii) सूझ-बूझ (iii) गाढ़ी कमाई (iv) कठिन परिश्रम

उत्तर: (iii) गाढ़ी कमाई

पाठ्य-पुस्तक

(14)

7. दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए– (1×4=4)

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार बार
नीचे जल में निज महाकार,
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण सा फैला है विशाल।

(क) पावस ऋतु किस ऋतु को कहते हैं?

(i) ग्रीष्म ऋतु को (ii) शीत ऋतु को (iii) वर्षा ऋतु को (iv) शरद ऋतु को

उत्तर: (iii) वर्षा ऋतु को

(ख) कौन अपना रूप हर क्षण बदल रहा था?

(*i*) पहाड़ (*ii*) पेड़

उत्तर: (*iii*) प्रकृति (*iii*) प्रकृति (*iv*) झरने

(ग) कवि ने पर्वत की आँखें किसे बताया?

(*i*) पेड़-पौधों को

(*iii*) पर्वत पर खिले विभिन्न फूलों को (*ii*) सुंदर पत्थरों को

उत्तर: (*iii*) पर्वत पर खिले विभिन्न फूलों को (*iv*) पहाड़ी जीवों को

(घ) पर्वत किसमें अपने रूप को निहार रहा है?

(*i*) झरने में (*ii*) तालाब रूपी दर्पण में

उत्तर: (*iv*) फूलों में (*iii*) पेड़ों में (*iv*) फूलों में

8. दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए– **(1×5=5)**

संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो, लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर, एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बों जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है।

(क) मनुष्य ने अपनी बुद्धि से क्या खड़ा किया है?

(*i*) सद्भाव

(*iii*) भेदभाव और ऊँची दीवारें (*ii*) स्वभाव

(*iv*) ये सभी

उत्तर: (*iii*) भेदभाव और ऊँची दीवारें

(ख) पशु-पक्षी कहाँ मंडराते रहते हैं?

(*i*) बस्तियों के आस-पास

(*iii*) जंगलों में (*ii*) पहाड़ों पर

(*iv*) कहीं नहीं

उत्तर: (*i*) बस्तियों के आस-पास

(ग) अब लोग कैसे घरों में रहते हैं?

(*i*) खुले (*ii*) छोटे-छोटे (*iii*) डिब्बेनुमा घरों में (*iv*) फ़्लैट में

उत्तर: (*iii*) डिब्बेनुमा घरों में

(घ) यह संपूर्ण धरती किसकी है?

(*i*) पशु-पक्षी (*ii*) मनुष्य (*iii*) पर्वत-नदी (*iv*) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (*iv*) उपर्युक्त सभी

(ङ) पहले पूरा संसार एक था और अब .....।

(*i*) टुकड़ों में बँट गया है। (*ii*) एक-दूसरे से दूर हो गया है।

(*iii*) दोनों (*i*) व (*ii*) (*iv*) उपरोक्त में से एक भी नहीं।

उत्तर: (*iii*) दोनों (*i*) व (*ii*)

9. दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए– **(1×5=5)**

तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया? तताँरा ने विनम्रतापूर्वक कहा। अपने सामने एक सुन्दर युवक को देखकर वह विस्मित हुई। उसके भीतर किसी कोमल भावना का संचार हुआ। किन्तु अपने को संयतकर उसने बेरुखी के साथ जवाब दिया।

"पहले बताओ! तुम कौन हो, इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं। यह तुम भी जानते हो।"

तताँरा मानो सुध-बुध खोए हुए था। जवाब देने के स्थान पर उसने पुनः अपना प्रश्न दोहराया। "तुमने गाना क्यों रोक दिया? गाओ, गीत पूरा करो। सचमुच तुमने बहुत सुरीला कण्ठ पाया है।"

"यह तो मेरे प्रश्न का उत्तर ना हुआ?" युवती ने कहा।

"सच बताओ तुम कौन हो? लपाती गाँव में तुम्हें कभी देखा नहीं।"

तताँरा मानो सम्मोहित था। उसके कानों में युवती की आवाज़ ठीक से पहुँच न सकी। उसने पुनः विनय की, "तुमने गाना क्यों रोक दिया? गाओ न?"

(क) युवती को देखकर युवक के मन में किस प्रकार की भावना का संचार हुआ?

(*i*) स्नेह की भावना का (*ii*) कोमल भावना का (*iii*) प्रेम की भावना का (*iv*) सभी का

उत्तर: (*ii*) कोमल भावना का

(ख) युवती ने तताँरा से बेरुखी से क्या कहा?

(*i*) मुझसे असंगत प्रश्न क्यों पूछ रही हो?

(*ii*) मैं तुम्हारे प्रश्न का उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं हूँ।

(*iii*) उपर्युक्त दोनों सही

(*iv*) उपरोक्त दोनों गलत

उत्तर: (*iii*) उपर्युक्त दोनों सही

(ग) युवती के गाँव की रीति क्या थी?

(*i*) दूसरे गाँव वालों से बात न करना (*ii*) किसी दूसरे की बात न सुनना

(*iii*) किसी दूसरे को गीत न सुनाना (*iv*) उपरोक्त सभी

उत्तर: (*i*) दूसरे गाँव वालों से बात न करना

(घ) तताँरा बार-बार क्या प्रश्न कर रहा था?

(*i*) तुम्हारे गाँव का नाम क्या है? (*ii*) तुम्हारा नाम क्या है?

(*iii*) तुमने गाना क्यों रोक दिया? (*iv*) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (*iii*) तुमने गाना क्यों रोक दिया?

(ङ) युवती विस्मित क्यों हो गई थी?

(*i*) तताँरा के घूरने और असंगत प्रश्न पूछने के कारण

(*ii*) तताँरा द्वारा एक ही प्रश्न बार-बार पूछने के कारण

(*iii*) अपने सामने एक सुंदर युवक को देखकर

(*iv*) तताँरा को अपने गाँव में देखकर

उत्तर: (*iii*) अपने सामने एक सुंदर युवक को देखकर

खंड–'ब' : वर्णनात्मक प्रश्न

पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक

[14 अंक]

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में दीजिए– (2×2=4)

(क) समुद्र ने अपना क्रोध किस रूप में व्यक्त किया?

उत्तर: समुद्र ने अपना क्रोध प्रकट करते हुए अपनी लहरों पर तैरते तीन जहाज़ों को उठाकर किसी गेंद की तरह मुंबई की तीन दिशाओं में फेंक दिया। वे टूट-फूटकर वर्ली, बांद्रा में कार्टर रोड के सामने तथा गेट-वे-ऑफ इंडिया पर जा गिरे। वे बिलकुल नष्ट हो गए थे। आज वे सैलानियों के केंद्र हैं।

(ख) तताँरा की पोशाक कैसी थी और वह सदा क्या बाँधकर रहता था? बताइए।

उत्तर: तताँरा की पोशाक पारंपरिक थी और वह सदा एक लकड़ी की तलवार अपनी कमर में बाँधे रहता था। निकोबारियों का मत था कि तलवार बावजूद लकड़ी की होने पर उसमें अद्भुत दैवीय शक्ति है। तताँरा अपनी तलवार को न कभी अपने से अलग होने देता था और न ही दूसरों के सामने उसका उपयोग करता था।

(ग) कबीर जागते हैं और रोते हैं– क्यों?

उत्तर: कबीर के जागने का मतलब है- ईश्वर संबंधी ज्ञान का होना। वे ईश्वर का ज्ञान समझ गए हैं। संसार अज्ञानता से वशीभूत है। अत: कबीर संसार की दुर्दशा को दूर करने के लिए चिंतित रहते हैं, सोते नहीं हैं और लोगों की दशा देखकर उनकी हालत पर रोते भी हैं।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 60 से 70 शब्दों में दीजिए– **(4×1=4)**

'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि वजीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था।

उत्तर: वजीर अली का जीवन अंग्रेज़ों का विरोध करते हुए ही बीता। उसने कंपनी को धीरे-धीरे देश की राजनीति में पैर फैलाते और रियासतों पर कब्ज़ा करते हुए देखा था इसलिए उसके मन में उनके प्रति गहरी नफरत थी। जब वजीर अली अवध का नवाब बनता है तो अपने शासनकाल में उनकी जड़ें काटने लगता है। उसका प्रयास अंग्रेज़ सफल नहीं होने देते और उसे अवध की गद्दी से हटाकर उसके चाचा सआदत अली को अवध का नवाब बना देते हैं। वजीर अली का अब एक ही लक्ष्य है किसी तरह अवध की गद्दी से सआदत अली को हटाना और स्वयं वहाँ का प्रशासक बनना। वह अंग्रेज़ों को भगाने के लिए अफगानिस्तान के बादशाह शाहे जमा को भी आमंत्रित करता है। उसका अब एक ही लक्ष्य रह गया था कि किसी भी तरह देश को अंग्रेज़ों की गुलामी और उनके प्रभाव से मुक्त करा दे।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 40 से 50 शब्दों में दीजिए– **(3×2=6)**

(क) दादी की मौत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा क्यों लगा? कारण सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर: टोपी को इफ़्फ़न की दादी बहुत अच्छी लगती थी। टोपी जब भी इफ़्फ़न के घर जाता तो उसकी दादी के पास ही बैठने की कोशिश करता था। एक दिन इफ्फन की दादी मर गई। इफ़्फ़न की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा लगता था। इसका कारण यह था कि अब टोपी को इफ़्फ़न के घर में कोई आकर्षण नहीं रह गया था। दोनों एक दूसरे के अकेलेपन को बाँटते थे।

(ख) कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर: कथावाचक जब छोटा था तब से ही हरिहर काका उसे बहुत प्यार करते थे। जब वह बड़े हो गए तो वह हरिहर काका के मित्र बन गए। गाँव में इतनी गहरी दोस्ती और किसी से नहीं हुई। हरिहर काका उनसे खुल कर बातें करते थे। यही कारण है कि कथावाचक को उनके एक-एक पल की खबर थी। शायद अपना मित्र बनाने के लिए काका ने स्वयं ही उसे प्यार से बड़ा किया और इंतज़ार किया।

(ग) 'सपनों के से दिन' पाठ के लेखक का मन पुरानी किताबों से क्यों उदास हो जाता है?

उत्तर: लेखक का मन पुरानी किताबों से इसलिए उदास हो जाता है क्योंकि पुरानी किताबों से आती विशेष गंध उसे परेशान करती थी। आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर होने के कारण लेखक नई किताब नहीं खरीद पाता था। अन्य विद्यार्थियों की तरह लेखक में भी नई किताबों से पढ़ने की उमंग और उत्साह होता था, परंतु पुरानी किताबों को देखकर वह उदास हो जाता था।

लेखन

[26 अंक]

13. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– **(6×1=6)**

(क) इंटरनेट की माँग

• विज्ञान और तकनीक की देन • वर्तमान की आवश्यकता • जीवन के विविध क्षेत्रों में लाभ • इंटरनेट पर निर्भर • सुझाव

इंटरनेट के बिना अधूरा है मानव जीवन, इसलिए विज्ञान की अद्‌भुत देन कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है। इंटरनेट आज पूरे देश के लोगों के जीवन में सफलता का एक बड़ा रोल अदा कर रही है। इंटरनेट हमें हर वक्त अपडेट रखता है। इसके माध्यम से हर कोई इस सुविधा का समान लाभ प्राप्त कर सकता है जो दुनिया में लोगो को आपस में एक दूसरे आपस में जोड़ने का काम करती है। आज इंटरनेट के माध्यम से ई-समाचार हमें आसानी से पढ़ने को मिल जाता है।

कोरोना काल में लॉकडाउन के समय तो इंटरनेट जीवन जीने का साधन ही बन गया था। बच्चों को ऑनलाइन से लेकर घर में बैठकर कार्यालय का कम सब इसके माध्यम से सबने आसानी से किया। इस बुरे समय में हम सब इसके माध्यम से एक दूसरे से जुड़े रहे। हमें इसकी इस तरह से लत लग चुकी है, अब एक पल भी इसके बिना रहना दूभर सा लगता है। इंटरनेट के आधुनिक समय में, बस कुछ ही क्लिकों में ट्रेन ऑनलाइन बुक कर सकते हैं और प्रिंटआउट के माध्यम से यात्रा टिकट प्राप्त कर सकते हैं या अपने मोबाइल में सॉफ़्ट कॉपी प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट दुनिया में, किसी को व्यापार या अन्य उद्देश्यों के लिए अपनी बैठक के लिए लंबी दूरी की यात्रा करने की आवश्यकता नहीं है कोई वीडियो कॉलिंग, कॉन्फ्रेंसिंग, स्काइप या अन्य टूल का इस्तेमाल करके अपने कार्यालय से ऑनलाइन बैठक कर सकता है। यह अपने वांछित विद्यालय, कॉलेज या विश्वविद्यालयों में ऑनलाइन प्रवेश पाने में मदद करता है। इससे समय की बचत भी होती है। कुछ है। लोग इसका प्रयोग गलत हरकतों के लिए करते हैं जिसे आज का युवा गलत दिशा की ओर अग्रसर हो जाता है। अत: इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए सरकार को चाहिए कि इसकी सामग्री, गुणवत्ता पर नज़र रखे। आपत्तिजनक साइटों और पन्नों पर प्रतिबंध लगा दे। इस कदम से इसके दुरुपयोग को रोका जा सकता है।

(ख) स्वच्छता स्वास्थ्य की जननी है

• आवश्यकता • बदलाव, हमारा उत्तरदायित्व • स्वच्छता आंदोलन

स्वास्थ्य और स्वच्छता का आपस में एक बहुत गहरा रिश्ता है। स्वच्छता के अभाव में स्वास्थ्य की कल्पना नहीं की जा सकती। जिस पर्यावरण में हम साँस लेते हैं, उठते-बैठते हैं, उसका प्रभाव हमारे शरीर व मन-मस्तिष्क पर निश्चित ही पड़ता है। वातावरण स्वच्छ होगा तो शरीर के साथ-साथ मन को भी प्रसन्न व कार्यशील बनाएगा, जबकि अस्वच्छ वातावरण से तन-मन रोगी महसूस करने लगेंगे। स्वच्छता के अभाव में स्वास्थ्य की कल्पना नहीं की जा सकती। जिस पर्यावरण में हम साँस लेते हैं, उठते-बैठते हैं, उसका प्रभाव हमारे शरीर व मन-मस्तिष्क पर निश्चित ही पड़ता है। गंदगी में पनपने वाले हज़ारों अदृश्य कीटाणु शरीर को रोगी बनाते हैं। अत: मन-मस्तिष्क व स्वास्थ्य के लिए शरीर को स्वस्थ रहना व शरीर के स्वास्थ्य के लिए वातावरण स्वच्छ रहना बेहद ज़रूरी है। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी के प्रतिनिधित्व में जब से स्वच्छता आंन्दोलन चला है, वातावरण में भले ही बहुत बदलाव न आया हो, किन्तु लोग सचेत अवश्य हो गए हैं। बच्चा-बच्चा आज स्वच्छता को महत्त्वपूर्ण मानता है वे गन्दगी फैलाने को बुरा माना जाने लगा है। अनेक क्षेत्रों में अनगिनत लोग व संस्थाएँ इस आन्दोलन को जारी रखे हुए हैं। जैसे-जैसे लोगों में जागरूकता बढ़ेगी, सब स्वच्छता के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी समझेंगे, वैसे-वैसे वातावरण में सुधार दिखाई देने लगेगा। किसी भी बड़े परिवर्तन की शुरुआत छोटे स्तर से ही होती है और वह हो चुकी है। अब आवश्यकता है सभी को अपना उत्तरदायित्व समझने व निभाने की ताकि हम अपने भारत को प्रदूषण मुक्त बनाकर रोग मुक्ति की ओर कदम बढ़ा सकें। अगर हमारे-आस पास स्वच्छता होगी तभी हम स्वस्थ रह पाएँगे क्योंकि गंदगी हमेशा बीमारियों को जन्म देती है। स्वास्थ्य जीवन का सबसे बड़ा धन है और उसके लिए हमें साफ़-सफ़ाई का ध्यान रखना ज़रूरी है। सरकार ने भी इसके लिए सफ़ाई अभियान चलाया है । स्वच्छता ही स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चाबी है और अच्छा स्वास्थ्य हर व्यक्ति की ज़रूरत है।

(ग) विपत्ति कसौटी जे कसे ते ही साँचे मीत

• मित्र की आवश्यकता क्यों • सच्चे मित्र के गुण • चयन में सावधानियाँ • सच्चे मित्र कौन?

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज के लोगों से मिलता-जुलता है वह अपनी बात करता है दूसरों की बात सुनता है। वह किसी से लेता है किसी को देता है। यह मेलजोल धीरे-धीरे पहचान में बदल जाती है और जान-पहचान वालों में से ही कुछ उसके मित्र बन जाते हैं। इनमें से कुछ सच्चे मित्र होते हैं तो कुछ छल-कपटी। साथी और सहपाठी तो बहुत हो सकते हैं परन्तु सच्चा मित्र मिलना कठिन होता है। सच्चा मित्र वही होता है जो विपत्ति के समय हमारी सहायता करता है। "सच्चा मित्र हमको बुराइयों से हटाता है हितकारी और लाभकारी कामों में लगाता है, हमारे दोषों को छिपाता है और हमारे गुणों को प्रसार करता है। वह आपत्ति में पड़े हुए मित्र का साथ नहीं छोड़ता है और समय पर उसकी हर प्रकार से सहायता करता है।" इन्ही लक्षणों को ध्यान में रखकर मित्रों का चुनाव करना चाहिए। हमें सच्चे मित्र आलोचक की तरह होते हैं, सच्चे मित्र हमेशा सही मार्ग पर चलने की सलाह देते हैं। इसी प्रकार कृष्ण और सुदामा, कृष्णदेवराय और तेनालीरामन, राम और सुग्रीव, की मित्रता का उदाहरण हमारे सामने है। मित्रता अनमोल वस्तु है जो जीवन में कदम-कदम पर काम आती है।

एक सच्चा मित्र मिल जाना गर्व एवं सौभाग्य की बात है। जिसे सच्चा मित्र मिल जाए, उसे सुख का खज़ाना मिल जाता है। हमें मित्र बनाने में सावधानी बरतनी चाहिए। एक सच्चा मित्र मिल जाने पर मित्रता का निर्वहन करना चाहिए। सच्चे मित्र के रूठने पर उसे तुरंत मना लेना चाहिए।

14. आपके मोहल्ले में सफ़ाई की व्यवस्था न होने के कारण स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए, जिसमें सफ़ाई का उचित प्रबंध करने की प्रार्थना की गई हो। (5×1=5)

परीक्षा भवन

नई दिल्ली

स्वास्थ्य अधिकारी

स्वरूप नगर, नई दिल्ली

दिनांक 5 नवंबर, 20.....

विषयः मोहल्ले में सफ़ाई के लिए प्रार्थना-पत्र।

महोदय,

मैं आपका ध्यान स्वरूप नगर स्थित एकता कालोनी की शोचनीय अवस्था की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। इस कालोनी में सफ़ाई की उचित व्यवस्था न होने के कारण स्थिति अत्यन्त चिन्ताजनक हो गई है। लंबे समय से यहाँ नगर का कोई भी कर्मचारी सफ़ाई हेतु नहीं आया है। स्थान-स्थान पर कचरे के ढेर लगे हैं, जिनमें सड़न होने से चारों ओर बदबू फैल रही है। नालियाँ भी भरी पड़ी हैं। गंदा पानी सड़कों पर भी बिखरा हुआ है। कचरे पर भिनभिनाती मक्खियाँ और मच्छर गंभीर बीमारियों को आमंत्रित कर रहे हैं।

अतः आपसे निवेदन निवेदन है कि जल्द-से-जल्द यहाँ का निरीक्षण कर सफ़ाई व्यवस्था का उचित प्रबंध करें। आशा है, आप इस ओर त्वरित कार्यवाही कर, लोगों को होने वाली परेशानी से छुटकारा दिलाएँगे।

धन्यवाद।

भवदीय

क.ख.ग.

अथवा

'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनाने की अपील करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

339, कमला नगर

नई दिल्ली

संपादक महोदय,

हिन्दुस्तान टाइम्स, नई दिल्ली

दिनांक 5 नवंबर 20.....

विषयः 'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनाने हेतु।

महोदय,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से सभी लोगों का ध्यान 'स्वच्छ भारत अभियान' की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा चलाए स्वच्छता अभियान में हम सभी भारतीयों का कर्तव्य है कि हम इस अभियान को सफल बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें। 'स्वच्छ भारत अभियान' वैयक्तिक एवं सामाजिक दोनों स्तर पर अत्यधिक लाभप्रद होगा।

अतः मेरी सभी से अपील है कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वयं को, अपने घर को, अपने पड़ोस को, अपने मोहल्ले को, अपने जिले को, अपने राज्य को और अपने देश को स्वच्छ रखें तथा दूसरों को भी प्रेरित करें।

धन्यवाद।

भवदीया

क.ख.ग.

15. आपके विद्यालय में वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन हेतु इच्छुक छात्रों को जानकारी देने हेतु एक सूचना लगभग 30-40 शब्दों में तैयार कीजिए। (5×1=5)

सूचना

गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूल

नाटक मंचन का आयोजन

दिनांक: 6 नवंबर 20.....

विद्यालय के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन का आयोजन किया जाएगा। जो भी छात्र नाटक में अभिनय करने के इच्छुक हों, वे रंगमच के प्रभारी से विद्यालय के सभागार में शनिवार सुबह नौ बजे अवश्य मिलें।

क.ख.ग.
छात्र सचिव

अथवा

अधिशासी अभियंता पावर कॉपरेशन प्रशांत विहार नई दिल्ली द्वारा विद्युत की आपूर्ति बाधित होने की सूचना लगभग 30-40 शब्दों में तैयार कीजिए।

सूचना

प्रशांत विहार पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड

विद्युत की आपूर्ति बाधित रहेगी

दिनांक: 6 नवंबर 20.....

विद्युत वितरण खंड उत्तर पश्चिमी दिल्ली के समस्त सम्मानित उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि प्रशांत विहार के अंतर्गत केवी पावर हाउस के पुनर्निर्माण का कार्य चल रहा है जिस कारण दिनांक 10 नवंबर 20..... को सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक विद्युत की आपूर्ति बाधित रहेगी। अत: विभाग को सहयोग करने की कृपा करें।

अधिशासी अभियंता
विद्युत वितरण
प्रशांत विहार

16. वृक्षारोपण अभियान के प्रसार हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। (5×1=5)

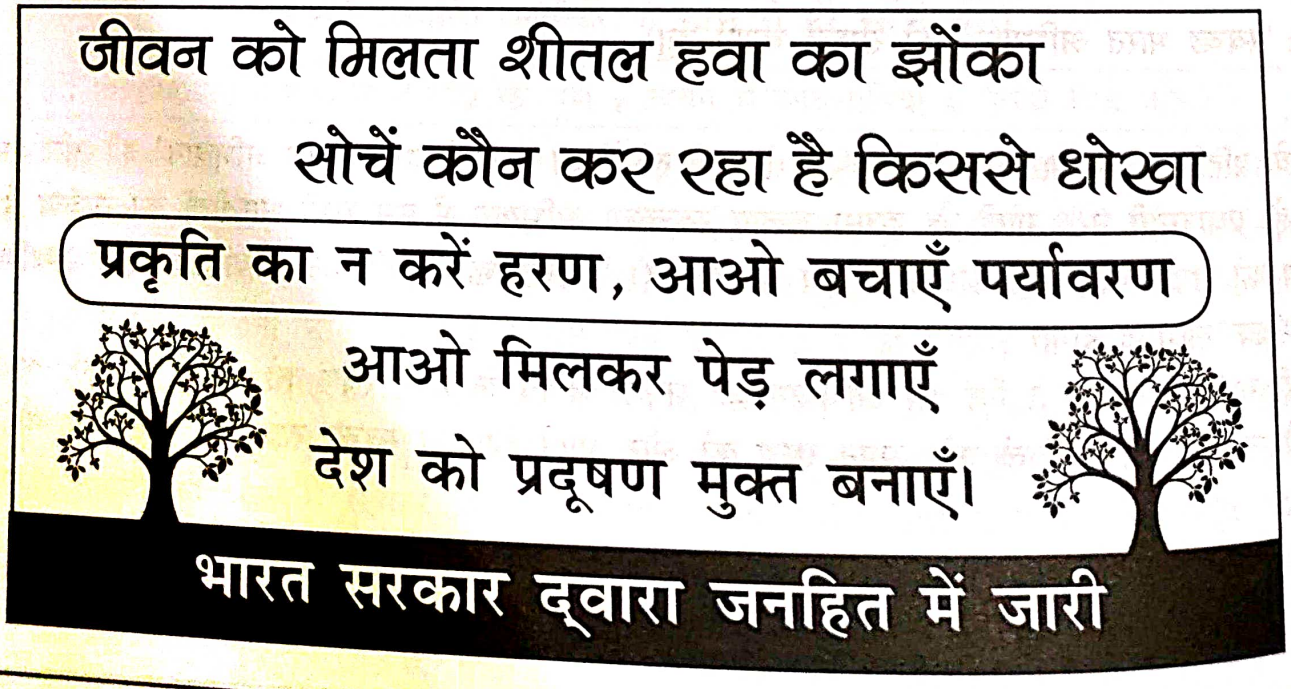

अथवा

भारत सरकार द्वारा कोरोना के बचाव अभियान हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

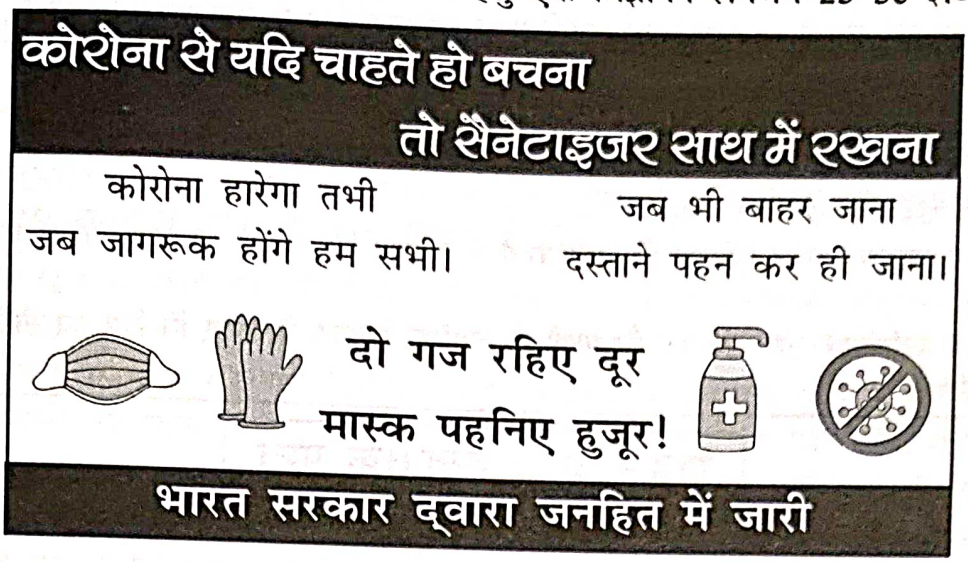

. निम्नलिखित प्रस्तावना बिंदु के आधार पर 100 से 120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **(5×1=5)**

मंजुला आज स्कूल में बहुत उदास थी। उसका पढ़ाई में भी मन नहीं लग रहा था। उसकी सहेली कोमल ने उससे कारण पूछा तो उसने बताया कि मुझसे एक बड़ी गलती हो गई है.....

उत्तर: मंजुला आज स्कूल में बहुत उदास थी। उसका पढ़ाई में भी मन नहीं लग रहा था। उसकी सहेली कोमल ने उससे कारण पूछा तो उसने बताया कि मुझसे एक बड़ी गलती हो गई है, अपने माता-पिता का कहना नहीं माना...। कोमल ने कहा, पूरी बात बताओ? मंजुला ने बताया कि अर्द्धवार्षिक परीक्षा होने वाली है लेकिन मैंने पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया। माता-पिता ने कई बार मुझे समझाया था कि पढ़ाई पर ध्यान दो, पढ़ाई करो। लेकिन मैंने पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया, समय नष्ट किया। इस कारण से मैंने अपने पाठ को ठीक ढंग से याद भी नहीं किया है। मैं अनुत्तीर्ण हो जाऊँगी। कोमल ने कहा, तुम चिंता मत करो। कठिन परिश्रम करो। अच्छे अंकों से पास हो जाओगी। मैं तुम्हारी मदद करूँगी। मैं तुम्हें अपना नोट्स भी दे रही हूँ, तुम इसे लिखकर पूरा करो। मैं शाम को पाँच बजे तुम्हारे यहाँ आऊँगी और हम दोनों मिलकर एक घंटा पढ़ेंगे। इतना सुनते ही मंजुला खुश हो गई। कोमल की मदद से मंजुला ने अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया। पढ़ने में मन लगाने लगी। यह परिवर्तन देखकर उसके माता-पिता बहुत खुश थे। परीक्षा हुई तो मंजुला और कोमल दोनों प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हई। मंजुला ने कोमल से कहा, तुम मेरी सच्ची सहेली हो। तुम्हारे ही वजह से मेरे अंदर साहस आया और मैंने परिश्रम किया। कोमल ने कहा कि एक अच्छा दोस्त ही दूसरे दोस्त की मदद करता है। धन्यवाद देने की बात नहीं है, तुमने मेहनत किया और तुम्हें सफलता मिली। मंजुला के माता-पिता भी बहुत खुश थे।

अथवा

'यदि मैं नदी होता/होती' विषय पर 100-120 शब्दों में लघुकथा लिखिए।

उत्तर: यदि मैं नदी होती तो मैं ऊँचे पहाड़ के झरने से बहते हुए धरती पर आती। मैं न जाने कितने लोगों की प्यास बुझाती। कलकल करती हुई आगे बहती हूँ, कई शहरों को बसाते हुए अपनी रौ में बढ़ती जाती हूँ। मैं खेतों में काम करने वाले किसानों में चेहरों पर मुस्कान लाती, उनकी फ़सलों की सिंचाई कर उन्हें हरा-भरा बनाती। खेतों को लहलहाता देख मैं खुशी से झूमती, इतराती हुई फिर आगे बढ़ जाती। अपने जल में जीव-जंतुओं को नहाने देती, उन्हें ठंडक पहुँचाती। सारे विश्व को हरियाली देने में सहायक होती। यदि मैं नदी होती तो जो लोग मुझे प्रदूषित करते, कचड़ा डालकर मुझे दूषित कर बीमार बनाते तो मैं अपना प्रकोप उन्हें अवश्य दिखाती, उन्हें मुझे दूषित करने का सबक सिखाती जिससे फिर कभी ऐसा नहीं करते। बारिश के समय यदि मुझमें पानी अधिक हो जाता तो मैं बाढ़ ले आती पर कोशिश करती कि किसी को कोई नुकसान ना पहुँचे। यदि मैं नदी होती तो किसी को अपने अंदर डूबकर मरने ना देती। मैं लहरों से सबका मन मोहित करती, सुबह-शाम सबको अपनी और आकर्षित करती, अपने तट पर बैठे कवियों की लेखनी बन जाती।